सर्वधर्म संसद का हो गठन

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ उद्घाटन

जागरण संवाददाता, बोधगया (गया): उच्च शिक्षा का मंदिर मगध विश्वविद्यालय में शनिवार को 'अंतर धार्मिक सद्भाव का महत्व : मानवता के लिए उसके निहितार्थ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू हुआ। जिसका उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर बंधुआ मुक्ति मोर्चा के संस्थापक स्वामी अग्निवेश, प्रो. जीएन सामतेन, आचार्य डा. लोकेश मुनि, कुलपति प्रो. एम. इश्तेयाक व डा. मो. मंजर आलम ने संयुक्त रूप से किया। वही, सनातन धर्म से स्वामी रामाचार्या, बौद्ध से तेनजीन लामा, इस्लाम से युसुफ रिजवी, जैन से सिस्टर खुशी कुमारी, इसाई से सिस्टर कविता व सिख से सरदार करनैल सिहं व दयाल सिंह ने धर्मग्रंथों के पवित्र पंक्तियों को पढ़ा। सेमिनार का आयोजन फोरम फार इंटर रिलीजियस अंडरस्टैंडिंग नई दिल्ली द्वारा बौद्ध अध्ययन विभाग व दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के सहयोग से कराया जा रहा है। सेमिनार में शामिल छह धर्मों यथा हिन्दू, बौद्ध, इस्लाम, सिख, इसाई व जैन धर्म के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सभी ने स्वर में स्वर मिलाते हुए सर्व धर्म संसद गठन की आवाज को बुलंद किया। वक्ताओं ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा व नफरत का पाठ नहीं पढ़ाता। कुलपति ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से आपस में फैली नफरत की वजह को तलाशना होगा। और निदान के लिए चिंतन करना होगा। धर्म को कुछ निजी स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह सेमिनार मानवता की नई सुबह का आगाज करेगी।

मविवि में हो सर्वधर्म संसद पीठ का गठन : बंधुआ मुक्ति मोर्चा के संस्थापक स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय में सर्व धर्म संसद पीठ का गठन होना चाहिए। क्योंकि यह विवि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्थल बोधगया में अवस्थित है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ए क है। भाषा ने हमें बांट रखा है। वक्त की पुकार है कि अब हम सब मिल जाएं। इसलिए सर्व धर्म संसद गठन जरूरी है। जब छोटे-बड़े राजनीतिक दल सरकार चलाने के लिए गठबंधन कर सकते हैं। तो फिर आपसी भाईचारा, शांति, दया, करूणा के लिए सर्व धर्म संसद का गठन जरूरी है। उन्होंने कहा कि करूणा ही ईश्वर है। सत्य, प्रेम, करूणा और न्याय ईश्वर के नाम है। उन्होंने नीतीश सरकार के शराब बंदी कानून की सराहना की। नशा मुक्त भारत और समाज बनाने के लिए इस्लाम समाज के लोगों को आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा मंदिर परमात्मा द्वारा दिया गया शरीर है। इसलिए नफरत को त्याग कर बुराईयों से लड़ने की जज्बा रखें। जो देश व समाज को खंडित व विभेदित कर रहा है। उन्होंने भ्रुण हत्या, गरीबी, धर्म के नाम पर अंधविश्वास को बढ़ावा, जात-पात की खाई को मिटाने और महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने पर विशेष जोर दिया।

दृष्टि के अनुसार सृष्टि का सृजन : अहिंसा विश्व भारती के आचार्य डा. लोकेश मुनि ने कहा कि धर्म जोड़ना सिखाता है तोड़ना नहीं। उन्होंने कहा कि बुद्ध और महावीर ने सम्यक दृष्टि पर जोर दिया। क्योंकि दृष्टि के अनुसार सृष्टि का सृजन होता है। नारी को नारी के प्रति नजरिया बदलना होगा। उन्होंने कहा कि गुस्सा और नशा विवेक को नष्ट कर रहा है। एक-दूसरे धर्म के विचारों को स्वीकार करना होगा।

◆ छह धर्मों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

मगधविवि के सेमिनार का उद्घाटन करते स्वामी अग्निवेश जागरण

दोपहर बाद होगा राज्यपाल का आगमन

जासं, बोधगया (गया): सूबे के राज्यपाल रामनाथ कोविंद रविवार को दोपहर बाद बोधगया आएंगे। वे मगध विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में शामिल होंगे और विवि परिसर में प्रस्तावित शिक्षक आवास निर्माण का आधारशिला रखेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल दोपहर 2:25 बजे गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आएंगे। वहां से सीधे मविवि परिसर स्थित दूरस्थ शिक्षा निदेशालय जाएंगे। सेमिनार के समापन सत्र में शामिल होने व शिक्षक आवास के निर्माण हेतु आधारशिला रखने के पश्चात 4 बजे सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

तीन अलग-अलग सत्र का हुआ संचालन

बोधगया (गया): मविवि में राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र के पश्चात दूरस्थ शिक्षा निदेशालय और बौद्ध अध्ययन विभाग में तीन अलग-अलग सत्र का संचालन किया गया। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में 'अंतर धार्मिक सद्भाव' विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता प्रो. मोहसीन उसमानी नादवी व प्रो. डीए गंगाधर ने किया। इसमें डा. राजीव रंजन सिन्हा, खालिद सैफुल्लाह रहमानी, डा. एएबी ग्यानेश्वर व डज्ञ. यू खुंडाला, यू लावरेंस, प्रो. एनके शास्त्री व डा. बीएस सिद्धु, बौद्ध अध्ययन विभाग में दूसरा सत्र 'भारतीय संदर्भ में अंतर धार्मिक संवाद' विषय पर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्वामी अग्निवेश ने की। इस विषय पर क. दलविन्दर सिंह ग्रेवल, डा. एमडी थामस, प्रो. मोहसिन उसमानी नादवी, किरण लामा और डा. अजमत हुसैन ने प्रकाश डाला। तीसरा सत्र 'अंतर धार्मिक संवाद एवं मानवाधिकारों का हनन' विषय के सत्र की अध्यक्षता प्रो. इश्तेयाक दानिश ने किया। इस विषय पर डा. शौकत हुसैन, मविवि इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डा. पीयूष कमल सिन्हा, डा. एसबी सिंह प्रो. हामिद नसीम राफियाबादी, डा. लक्ष्य हिरा श्याम, भिक्षु सुमनापाला और प्रो. ओबैदुल्लाह फहद ने प्रकाश डाला। यहां यह बता दें कि सेमिनार के दूसरे दिन समापन सत्र से पहले छह सत्र का संचालन किया जाएगा। समापन सत्र में सूबे के राज्यपाल सह विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

सेमिनार को प्रो. जीएन सामतेन, पंडित रामाचार्या, मो. सईद उर रहमान आजमी, करनैल सिंह, फिलिप मंथरा, उपाध्याय साध्वी यशजी, ले.ज. आरके शर्मा ने संबोधित किया। अध्यक्षीय भाषण आईओएस के डा. मो. मंजूर आलम व धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. नलीन कुमार शास्त्री ने किया। अतिथियों को खादा, पुष्पगुच्छ व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सेमिनार में विभिन्न लेखकों द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।

यह भी देखें

Sponsored Links by Taboola